केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम
A Government of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

Ref: SD/258/259/11/12/2026-27 **10.09.2026**

The Vice President **BSE Ltd.** **Phiroze Jeejeebhoy Towers** **Dalal Street** **Mumbai - 400 001** **Scrip Code: 532483**	**The Vice President** **Listing Department** **National Stock Exchange of India Ltd** **Exchange Plaza** **Bandra-Kurla Complex, Bandra [E]** **Mumbai - 400 051** **Scrip Code: CANBK**

Dear Sir/Madam,

Subject: Special Window for Transfer and Dematerialisation of Physical Securities – Newspaper Publication

This is in continuation of our earlier intimation letters dated 02.04.2026, 09.06.2026 and 22.07.2026 bearing reference no. SD:570/571/11/12:2025-26, SD:131/132/11/12:2026-27 and SD/195/196/11/12/2026-27 respectively. In this regard, please find enclosed herewith copy of Newspaper Publication in Financial Express (English), Jansatta (Hindi) and Vijayavani (Kannada) published on 10.09.2026 for attention of the shareholders of the Bank regarding Special Window for Transfer and Dematerialisation Requests of Physical Shares.

This is for your information and records.

Thanking You,

SANTOSH KUMAR BARIK
Digitally signed by SANTOSH KUMAR BARIK
Date: 2026.09.10 15:14:24 +05'30'

Santosh Kumar Barik
Company Secretary

सचिवीय विभाग
प्रधान कार्यालय
112, जे सी रोड, बेंगलूरु - 560002
E-Mail - hosecretarial@canarabank.com

Secretarial Department
Head Office
112 J C Road, Bengaluru - 560002
www.canarabank.bank.in

F +91 80 22248831
T +91 80 22100250

Govt orders removal of websites, apps of 15 crypto platforms

FE BUREAU
New Delhi, September 9

THE GOVERNMENT HAS ordered the removal of websites and application of 15 virtual digital asset service-providers (VDA SPs) for non-compliance with anti-money laundering rules, the finance ministry said on Wednesday.

The financial intelligence unit-India (FIU-IND) ordered the action against Weex, Blofin, Rezorex, Bitunix, DigiFinex, Toobit, XT.com, Latoken, WOO X, Pionex, ChangeNow, SimpleSwap, Fixedfloat, WhiteBIT and Guardarian.

The director, FIU-IND, issued notices for the take-down of applications/URLs of the said VDA SPs for public access as they were found to be "operating illegally" without complying with the relevant provisions of the Prevention of Money Laundering Act (PML) Act, 2002.

"The VDA SPs operating in India (whether offshore or onshore) and engaged in activities like exchange between virtual digital assets and fiat currencies, transfer of virtual digital assets, safekeeping or administration of virtual digital assets or instruments enabling control over virtual digital assets etc. are required to be registered with FIU-IND and comply with the set of obligations as mandated under Prevention of Money Laundering Act, 2002(PMLA) and Rules framed there under," the ministry said in a release.

"These obligations are activity-based and are not contingent on physical presence of the entity in India. The regulation casts reporting, record keeping, and other obligations on the VDA SPs under the PML Act which also includes registration with the FIU-IND."

Crypto products and Non-Fungible Tokens (NFTs) are unregulated and can be highly risky, the ministry said. "There may be no regulatory recourse for any loss from such transactions."

The government and the Reserve Bank of India (RBI) have repeatedly warned about risks related to cryptocurrencies. Reports earlier this year had said that the government and the RBI prefer tighter curbs on virtual digital assets even in the absence of a formal policy to ban or regulate such assets.

The RBI is in favour of a cryptocurrency policy leaning towards prohibition, a media report had said in July.

In January, Chief Economic Adviser V Anantha Nageswaran had said that the government and RBI's views on cryptocurrencies are aligned.

DIGITAL CRACKDOWN

- All 15 providers allegedly operated without mandatory PMLA compliance and registration
- Action targets Weex, Blofin, Rezorex, Bitunix, DigiFinex and Toobit platforms
- XT.com, Latoken, WOO X, Pionex and ChangeNow also face takedowns
- VDA platforms must register with FIU-IND as reporting entities operating India
- RBI has repeatedly warned about cryptocurrencies

Govt defends GST data amid claims of manipulation

SHUBHAM RANA
New Delhi, September 9

THE CENTRAL BOARD of Indirect Taxes and Customs (CBIC) on Wednesday defended the reported strong growth in goods and services tax (GST) collections in FY27 so far after former finance secretary Subhash Chandra Garg claimed the data is being manipulated to show high mop-up.

In an article on Tuesday, Garg claimed the government is manipulating data by showing the 11% growth in April-August GST collections while excluding cess collections.

Gross GST collections rose 14.8% year-on-year to ₹2 lakh crore in August while April-August collections were up 11% at ₹10.4 lakh crore.

GST revenue post-refunds rose 8.3% on year in August to ₹1.68 lakh crore and up 9% in the five months to August at ₹8.89 lakh crore. "When (cess is) included, 5 month gross GST growth becomes 4.08% and net 1.30%, a pathetic performance," Garg said. "There is an unfortunate but increasing tendency to manipulate data to suit narratives," Garg said.

Refuting this, the CBIC said that the GST revenue figures reflect the correct picture of GST revenue performance.

The GST Council discontinued the compensation cess from September 22, 2025 on all items except tobacco and related products.

CIL output rises 40% as rains ease

SAURAV ANAND
New Delhi, September 9

STATE-RUN COAL INDIA'S (CIL) daily coal production jumped 40% to around 1.91 million tonne (MT) on September 8, from an average 1.36 MT during September 1-3, as receding monsoon rains helped restore mining operations and accelerate supplies to power plants.

Coal dispatches to the power sector also rose sharply. Average daily supplies increased 27% to 1.74 MT on September 8, from 1.37 MT per day during the first three rain-affected days of the month. The improvement has pushed coal supplies to power plants gradually towards pre-monsoon levels, CIL said. The recovery was sharper at Northern Coalfields (NCL), where coal output on September 8 rose 67% and supplies increased 75% compared with the average during September 1-3.

नई दिल्ली
राजधानी

मौसम
तापमान नई दिल्ली
अधिकतम- 36.1
न्यूनतम- 27.0
सूर्योदय- 06:03
सूर्यास्त- 06:34

3

जनसत्ता | 10 सितंबर, 2026

खबर कोना

डीयू में छात्रों के लिए सुरक्षित आवास को लेकर आपात बैठक की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

सत्य निकेतन में इमारत हादसे के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) के सदस्य ने छात्रों के लिए सुरक्षित और किफायती आवास की जरूरत पर चर्चा करने के लिए शीर्ष निकाय की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। कार्यकारी परिषद सदस्य मिथुराज धुसिया ने कुलपति योगेश सिंह को लिखे पत्र में कहा कि पांच मंजिला रिहायशी इमारत (जिसमें छात्र पेइंग गेस्ट के तौर पर रहते थे) के ढहने से छात्रों के रहने के लिए सुरक्षित, किफायती और सम्मानजनक व्यवस्था सुनिश्चित करने में अधिकारियों की नाकामी उजागर हो गई है। उन्होंने कुलपति से कार्यकारी परिषद की आपात बैठक बुलाकर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा का आग्रह किया।

पीजी व किराए के आवासों में रहने वाले छात्रों से बातचीत करेगी पुलिस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

दिल्ली पुलिस ने अपने थानेदारों (एसएचओ) और सहायक पुलिस आयुक्तों (एसीपी) को पेइंग गेस्ट (पीजी) और अन्य किराए के आवासों में रहने वाले छात्रों के साथ नियमित रूप से बातचीत करने और उनकी चिंताओं को दूर करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह निर्देश सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी इमारत ढहने से सात लोगों की मौत के बाद दिए गए हैं। दरअसल, घटना के बाद उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने पुलिस और अन्य अधिकारियों को पीजी आवास में रहने वाले छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया था। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस को 20 सितंबर तक कार्रवाई रिपोर्ट जमा करने को कहा गया है। आदेश के अनुसार, जिन इलाकों में कालेज, विश्वविद्यालय, छात्रावास और पीजी ज्यादा हैं, वहां के अधिकारियों को अपने क्षेत्र में रहने वाले छात्रों से नियमित रूप से मिलकर बातचीत करने के निर्देश दिए गए हैं।

गोकलपुर मेट्रो स्टेशन तक नाले का निर्माण करेगी सरकार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उत्तर-पूर्वी लोकसभा के कई बड़े नालों का गहन निरीक्षण किया। इनमें खासकर एस्कॉर्ट नाला एक, बिहारीपुर नाला, बंद नाला और गोकलपुर नाला प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके साथ ही उन्होंने सोनिया विहार पुश्ता से जुड़े विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। साथ ही लोक निर्माण विभाग को गीतांजलि स्कूल वजीराबाद रोड से गोकलपुर मेट्रो स्टेशन तक बरसाती पानी नाले का प्रस्ताव तैयार कर जल्द काम शुरू करने के निर्देश भी दिए हैं। कपिल मिश्रा उत्तर पूर्वी लोकसभा के मंत्री प्रभारी भी हैं। उन्होंने जलभराव से निपटने के लिए नालों की सफाई व पंपिंग व्यवस्था को और मजबूत करने और इन कार्यों की नियमित निगरानी के सख्त निर्देश भी दिए और कहा कि पानी के ओवरफ्लो होकर रिहायशी क्षेत्रों में घुसने के स्थायी समाधान की ओर बढ़ना है।

सत्य निकेतन हादसे के बाद मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

अवैध इमारतों पर चलेगा बुलडोजर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्य निकेतन हादसे पर कड़ा रुख अपनाते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को अवैध निर्माण और गैरकानूनी ढांचों पर बुलडोजर चलाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में कार्रवाई भी की गई।

भवनों के रिकार्ड खंगालकर जिम्मेदार अधिकारियों की भी होगी पहचान।

सीएमओ के बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने नगर निगम के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि कार्रवाई प्रभावी तरीके से हो सके। उन्होंने अधिकारियों को दिल्ली के सभी पेइंग गेस्ट (पीजी) और छात्रावासों का सघन निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं। जहां भी अवैध निर्माण पाया जाए, वहां तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। रेखा गुप्ता ने भवनों के रिकार्ड खंगालने के भी निर्देश दिए हैं। अधिकारियों से यह पता लगाने को कहा गया है कि संबंधित अवैध निर्माण किस वर्ष किया गया था और उस समय वह किस अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में आता था। इसके जरिए, अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भी पहचान की जाएगी।

दो दिन में 34 अनधिकृत निर्माण ढहाए, 17 संपत्तियां सील

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पिछले दो दिनों में अपने 12 क्षेत्रों में ध्वस्तीकरण की 34 कार्रवाई की और 17 संपत्तियों को सील किया है। इसके अलावा, निगम ने बुधवार को भवन उपनियमों और दिल्ली मास्टर प्लान के उल्लंघन के खिलाफ अभियान के तहत 22 कारण बताओ नोटिस जारी किए और चार ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए।

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में लड़कों के लिए संचालित एक पीजी इमारत गिरने से सात लोगों की मौत के बाद निगम ने यह कार्रवाई तेज की है। निगम ने सत्य निकेतन में जर्जर इमारत को गिराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। सत्य निकेतन में हुए हादसे के बाद इमारत जर्जर हो गई थी और उसे खतरनाक घोषित किया गया था। मलबा हटाने के अभियान के दौरान सुरक्षा के लिहाज से इमारत को जैक पर रोककर रखा गया था। बुधवार को चलाए गए प्रवर्तन अभियान के दौरान संपत्ति संख्या 1412, गली गोंडनी वाली, कूचा चेलन, जामा मस्जिद में भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

छात्रावासों का किया गया सर्वेक्षण

एमसीडी ने बुधवार को राजधानी में संचालित पीजी आवासीय भवनों का व्यापक सर्वेक्षण भी किया। अब तक किए गए सर्वेक्षण में करीब 1,243 ऐसे भवनों की पहचान की गई है, जहां पीजी सुविधाएं संचालित हो रही हैं। इन भवनों में लगभग 24,000 लोग रह रहे हैं। एमसीडी अब सर्वेक्षण के आधार पर संवेदनशील पीजी भवनों की पहचान और उनका वर्गीकरण कर रहा है। भवनों को उनकी स्थिति के अनुसार दृष्टिगत रूप से सुरक्षित, दृष्टिगत रूप से मरम्मत योग्य, मामूली मरम्मत आवश्यक, व्यापक मरम्मत आवश्यक और दृष्टिगत रूप से संवेदनशील या खतरनाक जैसी श्रेणियों में बांटा जा रहा है।

छात्रावास के लिए जमीन तलाश करेगा डीडीए

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को निर्देश दिए कि वे छात्रों के रहने की जगह के लिए उपयुक्त जमीन चिन्हित करें और छात्रावास की सुविधाएं विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बातचीत करें। उपराज्यपाल संधू ने इस बाबत लोक निवास में डीडीए अधिकारियों के साथ बैठक भी की है। बैठक में वैकल्पिक आवास सुविधाओं के विकल्पों की गहन समीक्षा भी की। उपराज्यपाल ने कहा कि डीडीए को पीजी के लिए उपयुक्त जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया तेज करने के साथ साथ कार्ययोजना तैयार करने और छात्रावास सुविधाओं के विकास के लिए नए मास्टर प्लान के प्रावधानों को लेकर विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ चर्चा करने के निर्देश दिए हैं। संधू ने कहा कि हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि दिल्ली में छात्रों को सुरक्षित, किफायती और सम्मानजनक आवास सुविधा उपलब्ध हो।

हाई कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली सरकार और डीयू से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 9 सितंबर (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को एनएसयूआइ अध्यक्ष की उस याचिका पर केंद्र, दिल्ली सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय से जवाब मांगा, जिसमें संस्थान के सभी कालेजों में छात्रावास सुविधा की मांग की गई थी। इस जनहित याचिका में दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए किफायती और पर्याप्त संस्थागत छात्रावास सुविधा की 'लंबे समय से चली आ रही कमी' का मुद्दा उठाया गया। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआइ) के अध्यक्ष विनोद जाखड़ द्वारा यह याचिका छह सितंबर को सत्य निकेतन में एक इमारत गिरने की घटना के बाद दायर की गई थी।

सभी कालेजों में छात्रावास की मांग।

इस इमारत का इस्तेमाल छात्रों के निजी 'पेइंग गेस्ट' (पीजी) के तौर पर किया जा रहा था। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय को नोटिस जारी किया और उनसे याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। अदालत ने याचिका पर सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की और इसे इमारत गिरने की घटना से जुड़े एक और मामले के साथ जोड़ दिया। जनहित याचिका को एक बहुत गंभीर मुद्दा मानते हुए, अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि उन्होंने बिना किसी वजह के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को याचिका में पक्ष क्यों बनाया और उन्हें इसे हटाने के लिए कहा। याचिका में कहा गया है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के 104 साल बीतने और छात्रों की संख्या व भौगोलिक विस्तार में भारी बढ़ोतरी के बावजूद, रहन-सहन की सुविधा उस अनुपात में विकसित नहीं हुई है। इसमें कहा गया है कि बड़ी संख्या में कालेजों में कोई छात्रावास सुविधा नहीं है, जबकि जिन कालेजों में छात्रावास हैं, वहां सीटों की संख्या असल जरूरत के मुकाबले बहुत कम है।

नगर निगम की कार्रवाई पर सवाल

नोटिस के बाद भी नहीं रुका अवैध निर्माण

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

ललिता पार्क में पांच मंजिला इमारत पर आठ माह से कार्रवाई नहीं।
न्यू सीलमपुर में नोटिस के बावजूद चार मंजिल तक पहुंचा निर्माण।

राजधानी के अधिकांश इलाकों में दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 के तहत निर्धारित भवन उप-नियमों का घोर उल्लंघन कर धड़ल्ले से अवैध निर्माण किए जा रहे हैं। खुद निगम के अधिकारी भी मामलों के संज्ञान में आने के बाद भी कार्रवाई नहीं करते हैं।

जानकारी के मुताबिक, शाहदरा दक्षिणी जोन के लक्ष्मी नगर के संपत्ति संख्या सीआर-254, सीआर रोड, ललिता पार्क पर पांच मंजिला रिहायशी भवन का अनधिकृत निर्माण किया गया है। क्षेत्रीय कनिष्ठ अभियंता (भवन) के निरीक्षण के बाद डीएमसी अधिनियम-1957 की धारा 346 का घोर उल्लंघन पाया। इसके चलते भवन को खाली करने का नोटिस शाहदरा दक्षिणी जोन के सहायक अभियंता (भवन)-द्वितीय की ओर से 29 जनवरी, 2026 को जारी किया गया। जबकि, एमसीडी की तरफ से इस इमारत को तीन दिसंबर 2025 को अवैध निर्माण में बुक किया गया था। बावजूद इसके निगम अधिकारियों ने आठ माह बीतने के बाद भी इस पांच मंजिला भवन पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

इसी तरह, न्यू सीलमपुर की जी-31 संपत्ति, जिसमें सरकारी जमीन पर कब्जे का मामला भी शामिल है, में भूतल, प्रथम और द्वितीय तल पर अवैध निर्माण के चलते अप्रैल 2025 में कार्य रोकने का नोटिस दिया गया था। कार्रवाई नहीं होने पर आठ अगस्त, 2025 को दूसरा नोटिस जारी किया गया। इसके बावजूद निर्माण नहीं रुका और अब भवन चार मंजिल तक तैयार हो चुका है।

क्या कहते हैं अधिकारी

शाहदरा दक्षिणी जोन के भवन विभाग के अधिशासी अभियंता-प्रथम मनोज कुमार मीणा ने कहा कि वह जुलाई में जोन में आए हैं। जी-31, न्यू सीलमपुर संपति को बुक कर दिया गया है और उन्हें मामले की अधिक जानकारी नहीं है। वहीं, अधिशासी अभियंता-द्वितीय लक्ष्य वर्मा ने कहा कि सीआर-254, सीआर रोड, ललिता पार्क की संपति के संबंध में जानकारी लेकर अवगत कराया जाएगा।

'भारतीय ज्ञान परंपरा ही विकसित भारत का आधार'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं श्री काशी विद्वत परिषद (दिल्ली प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय विद्याओं का पुनर्जागरण 2047' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

लक्ष्मीबाई कालेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी।

विशेषज्ञों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को विकसित भारत का आधार बताया। मुख्य वक्ता प्रो रमाकांत पांडेय ने भारतीय भाषाओं को ज्ञान-विज्ञान का भंडार बताया। परिषद के महामंत्री प्रो रामनारायण द्विवेदी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण में परिषद की भूमिका बताई। विशिष्ट वक्ता प्रो शिवशंकर मिश्र ने भारतीय ज्ञान पद्धति के नैतिक मूल्यों को सामाजिक नीतियों में प्राथमिकता देने की बात कही। विशिष्ट अतिथि विधायक पूनम शर्मा ने भारतीय विद्याओं के पुनर्जागरण को देश के लिए नई दिशा बताया। तकनीकी सत्रों में प्रो विनय पाण्डेय (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), प्रो दिनेश गर्ग (सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय) और प्रो नचिकेता सिंह (प्राचार्य, श्याम लाल महाविद्यालय सांध्य) ने विचार रखे। प्रो. रमेश कुमार पांडेय ने उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणालियों को शामिल करने की बात कही। देशभर के सैकड़ों प्राध्यापकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रदूषण से निपटने की तैयारी

संवेदनशील क्षेत्रों में वरिष्ठ अधिकारी संभालेंगे कमान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को सर्दियों से पहले प्रदूषण नियंत्रण उपायों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत अंतर-विभागीय टीमों की साप्ताहिक बैठकें आयोजित करने और अत्यधिक प्रदूषण वाले 47 स्थानों (हाटस्पाट) पर प्रदूषण कम करने के प्रयासों की देखरेख के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात करने के आदेश दिए गए हैं।

हर स्थल के तीन किलोमीटर दायरे के लिए बनेगी विस्तृत कार्ययोजना।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के लिए उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में ये निर्देश जारी किए गए। संवेदनशील स्थलों में से प्रत्येक के आसपास तीन किलोमीटर के दायरे के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपराज्यपाल संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के 13 जिलों में फैले 47 संवेदनशील क्षेत्रों में प्रदूषण कम करने के उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव स्तर के 13 वरिष्ठ अधिकारियों को इसका प्रभारी बनाया गया है।

डूसू चुनाव

दाखिला पर्ची से नामांकन की अनुमति, फीस रसीद और सरकारी पहचान पत्र भी मान्य

बिना पहचान पत्र वाले प्रथम वर्ष के छात्र भी भर सकेंगे पर्चा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 सितंबर।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव को लेकर गुरुवार को नामांकन दाखिल किए जाएंगे। लेकिन इस साल दाखिला लेने वाले प्रथम वर्ष के कई छात्रों के कालेज पहचान पत्र (आइडी कार्ड) अभी तक नहीं बन पाए हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि डीयू के प्रथम वर्ष के जिन छात्रों को अभी तक आइडी कार्ड नहीं मिला है, वे दाखिला पर्ची दिखाकर चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

डूसू के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि जिन छात्रों को अभी तक पहचान पत्र नहीं मिले हैं, वे फीस रसीद, पासपोर्ट साइज फोटो लगा प्रमाणित पत्र और कोई भी सरकारी पहचान पत्र दिखाकर नामांकन कर सकते हैं। बता दें कि डूसू चुनाव में उम्मीदवार बनने के लिए छात्र पहचान पत्र जरूरी होता है। किसी भी दल या संगठन की ओर से नामित पर्चा नहीं भरा जाता। छात्र संगठनों के डूसू उम्मीदवार भी बतौर छात्र और अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रशासन के सामने अपनी दावेदारी रखते हैं। यह अलग बात है कि पर्चा दाखिल होते ही वे अपने-अपने खेमे से मैदान में उतरकर प्रचार में जुट जाते हैं। डूसू में केवल नियमित छात्र ही उम्मीदवारी कर सकता है। पत्राचार वाले छात्रों को चुनाव लड़ने की मनाही है। स्नातक के लिए उम्र सीमा 17 से 22 साल, जबकि स्नातकोत्तर छात्रों के लिए यह सीमा 25 साल तक है। नामांकन पत्र 500 रुपए के हलफनामों के साथ गुरुवार को दोपहर तीन बजे तक ही जमा किया जा सकेगा।

वाहनों की आवाजाही पर रोक

विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जारी निशा निर्देश के तहत गुरुवार और शुक्रवार को परिसर के छात्र मार्ग, प्रोबिन रोड, यूनिवर्सिटी रोड और जीसी नारंग मार्ग पर गाड़ियों की आवाजाही पर रोक रहेगी। 11 सितंबर को परिसर का गेट नंबर चार भी 10 बंद रहेगा। सभी संकाय सदस्य, अधिकारी और छात्र को निर्देश दिया गया है कि वे गेट नंबर एक का प्रयोग करें। विवि प्रशासन का कहना है कि इससे लिंगदोह की अवधारणा को लागू करने में बल मिलेगा।

सुरक्षित आवास बना सबसे बड़ा मुद्दा

छात्र संघ चुनाव के प्रचार के दौरान शुरुआत में महिला सुरक्षा और नीट आंदोलन की उपलब्धियों को वाम संगठनों और एनएसयूआइ ने प्रमुख मुद्दा बनाया था। वहीं, हाल ही में शुरू हुई यू-स्पेशल बसों की सुविधा को एबीवीपी छात्रों के बीच भुना रही थी। लेकिन अब सत्य निकेतन इमारत मामले ने इन सभी मुद्दों को पीछे छोड़ दिया है। परिसर में इस समय सुरक्षित आवास सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है। छात्र संगठनों के बीच छात्रावास की कमी, महंगे पीजी जैसे मुद्दों पर चर्चा तेज हो गई है।

एबीवीपी ने बदली रणनीति

सत्य निकेतन प्रकरण में भी एनएसयूआइ ने सक्रियता दिखाई, जिसका छात्रों के बीच सकारात्मक संदेश गया। छात्रों के बीच बढ़ती नाराजगी को एबीवीपी ने भांप लिया। इसके बाद संगठन ने अपनी रणनीति में बदलाव किया। सत्य निकेतन प्रकरण में एबीवीपी ने न केवल विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया, बल्कि दिल्ली सरकार और निगम सरकार का भी खुलकर विरोध किया।

ಕುಮಾರಸ್ವಾಮಿ ವಿರುದ್ಧ ಸಿಎಂ ವಾಗ್ದಾಳಿ | ಭಾರತ್ ಜೋಡೋ ಪಾದಯಾತ್ರೆ 5ನೇ ವಾರ್ಷಿಕೋತ್ಸವ

ಈ ಶಿವಕುಮಾರ್, ಈ ಸರ್ಕಾರ ಹೆದರುವುದಿಲ್ಲ...!

■ ವಿಜಯವಾಣಿ ಸುದ್ದಿಜಾಲ ಬೆಂಗಳೂರು

ಅಮೆರಿಕದಿಂದ ಬಂದು ಅಲ್ಲೋಲಕಲ್ಲೋಲ ಸೃಷ್ಟಿಸುತ್ತೇನೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ. ಈ ಡಿ.ಕೆ. ಶಿವಕುಮಾರ್, ಸರ್ಕಾರ ಇದಕ್ಕೆಲ್ಲ ಹೆದರುವುದಿಲ್ಲ ಎಂದು ಕೇಂದ್ರ ಸಚಿವ ಎಚ್.ಡಿ. ಕುಮಾರಸ್ವಾಮಿ ವಿರುದ್ಧ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿ ಡಿ.ಕೆ. ಶಿವಕುಮಾರ್ ವಾಗ್ದಾಳಿ ನಡೆಸಿದ್ದಾರೆ.

ಕೆಪಿಸಿಸಿ ಕಚೇರಿಯ ಭಾರತ್ ಜೋಡೋ ಸಭಾಂಗಣದಲ್ಲಿ ಬುಧವಾರ ನಡೆದ ಭಾರತ್ ಜೋಡೋ ಪಾದಯಾತ್ರೆಯ 5ನೇ ವಾರ್ಷಿಕೋತ್ಸವದಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಿದರು.

ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ನಿಮ್ಮ ಬ್ಲ್ಯಾಕ್‌ಮೇಲ್‌ಗೆ ಹೆದರುವುದಿಲ್ಲ. ಇಲ್ಲಿ ಇರುವುದು ನಾನು ಮಾತ್ರವಲ್ಲ, ನಮ್ಮ ಹಿಂದೆ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರ ಸೈನ್ಯವೇ ಇದೆ. ನಾವು ನೀವೆಲ್ಲ ಸೇರಿ ರಾಹುಲ್ ಗಾಂಧಿ ಹಾಗೂ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ಖರ್ಗೆ ಕೈ ಬಲಪಡಿಸೋಣ. ನಾನು, ಹರಿಪ್ರಸಾದ್, ಸಿದ್ದರಾಮಯ್ಯ ಸೇರಿ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಸಚಿವರು ನಾಯಕರು ಒಟ್ಟಾಗಿ ಪಕ್ಷದ ಸಿದ್ಧಾಂತ, ಎಲ್ಲ ವರ್ಗವನ್ನು ಒಗ್ಗೂಡಿಸೋಣ ಎಂದು ಶಿವಕುಮಾರ್ ಕರೆ ನೀಡಿದರು.

ಭಾರತ್ ಜೋಡೋ ಯಾತ್ರೆ ದೇಶದ ಯುವಕರು, ಮಹಿಳೆಯರು, ರೈತರು, ಬಡವರ ಸಮಸ್ಯೆಗೆ ಪರಿಹಾರ ನೀಡಿತು. ಜನಸಾಮಾನ್ಯರ ಸಂಕಷ್ಟಕ್ಕೆ ಒದಗಿ ಬಂದ ಪರಿಹಾರ. ರಾಹುಲ್ ಅವರು ಕೇವಲ ಯಾತ್ರೆ ಮಾಡಲಿಲ್ಲ, ಎಲ್ಲ ವರ್ಗದ ಜನರ ಸಮಸ್ಯೆ ಆಲಿಸಿದರು ಎಂದರು.

ದೇಶದ ಐಕ್ಯತೆ, ಸಮಗ್ರತೆಗಾಗಿ ನಡೆದ ಯಾತ್ರೆ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಬದಲಾವಣೆ ಗಾಳಿ ಬೀಸುವಂತೆ ಮಾಡಿತು. ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ 21 ದಿನ 511 ಕಿ.ಮೀ. ಪಾದಯಾತ್ರೆ ನಡೆಯಿತು. ರಾಷ್ಟ್ರ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಕನ್ಯಾಕುಮಾರಿಯಿಂದ ಕಾಶ್ಮೀರದವರೆಗೆ 4 ಸಾವಿರ ಕಿ.ಮೀ. ಹೆಜ್ಜೆ ಹಾಕಲಾಯಿತು ಎಂದರು.

ನಾನು ಸಿಎಂ ಆಗಿ ಅಧಿಕಾರ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ ಬಳಿಕ ಮೊದಲ ಸಚಿವ ಸಂಪುಟದಲ್ಲಿ ಭಾರತ ಜೋಡೋ ಯುವಕರ ಸಂಘ ಸ್ಥಾಪನೆಗೆ ಅನುಮೋದನೆ ನೀಡಲಾಯಿತು. ಕೇವಲ 2 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ 7 ಲಕ್ಷ ಜನ ಆನ್‌ಲೈನ್‌ನಲ್ಲಿ ನೋಂದಣಿ ಮಾಡಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಸದ್ಯದಲ್ಲೇ ಆಫ್‌ಲೈನ್ ಮೂಲಕ ಅರ್ಜಿ ಸಲ್ಲಿಕೆಗೆ ಅವಕಾಶ ನೀಡಲಾಗುವುದು. ಇದು ಯುವಕರಲ್ಲಿನ ಪ್ರತಿಭೆ ಅನಾವರಣ, ಕ್ರೀಡೆ, ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಚಟುವಟಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಅವಕಾಶ ಕಲ್ಪಿಸಿ, ಸಾಮಾಜಿಕ ಸಾಮರಸ್ಯ ಮೂಡಿಸಿ ಯುವ ಸಮುದಾಯವನ್ನು ನಶೆಮುಕ್ತಗೊಳಿಸುವ ಗುರಿ ಹೊಂದಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಶಿವಕುಮಾರ್ ತಿಳಿಸಿದರು.

ಕೆಪಿಸಿಸಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಬಿ.ಕೆ. ಹರಿಪ್ರಸಾದ್, ಕಾರ್ಯಾಧ್ಯಕ್ಷ ಜಿ.ಸಿ. ಚಂದ್ರಶೇಖರ್, ಸಚಿವ ಶಿವಲಿಂಗೇ ಗೌಡ ಮತ್ತಿತರರು ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು.

ಭಾರತ್ ಜೋಡೋ ಯಾತ್ರೆಯಲ್ಲಿ ಕನ್ಯಾಕುಮಾರಿಯಿಂದ ಕಾಶ್ಮೀರದವರೆಗೂ ಹೆಜ್ಜೆ ಹಾಕಿದವರನ್ನು ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು. ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿ ಡಿ.ಕೆ. ಶಿವಕುಮಾರ್, ಕೆಪಿಸಿಸಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಹರಿಪ್ರಸಾದ್, ಸಚಿವರಾದ ಶಿವಲಿಂಗೇಗೌಡ, ಡಾ. ಶರಣಪ್ರಕಾಶ ಪಾಟೀಲ್ ಮತ್ತಿತರರು ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು.

2028, 2029ಕ್ಕೆ ನಮ್ಮದೇ ಸರ್ಕಾರ

ಡಬಲ್ ಇಂಜಿನ್ ಸರ್ಕಾರ ಇದ್ದಾಗ ನಾವು 136 ಸೀಟು ಗೆಲ್ಲುತ್ತೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದ್ದೆ. ನಮ್ಮ ಲೆಕ್ಕ ತಪ್ಪಾಯಿತಾ? ಈಗ ಮತ್ತೆ ಹೇಳುತ್ತಿರುವೆ 2028ಕ್ಕೂ ನಮ್ಮದೇ ಸರ್ಕಾರ, 2029ರಲ್ಲಿ ಕೇಂದ್ರದಲ್ಲೂ ನಮ್ಮದೇ ಸರ್ಕಾರ. ನೀವು ಅದಕ್ಕೆ ಸಹಕಾರ ನೀಡಬೇಕು ಎಂದು ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಲ್ಲಿ ಶಿವಕುಮಾರ್ ಮನವಿ ಮಾಡಿದರು.

ಶತದಿನ ಪ್ರಜಾಸೇವೆಗೆ ಹೊಸತನ

ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ...

ಆರ್ಥಿಕತೆಯ ರಥಚಕ್ರವನ್ನು ವೇಗಗೊಳಿಸಲು 2047ರ ವೇಳೆಗೆ 3 ಟ್ರಿಲಿಯನ್ ಡಾಲರ್ ಆರ್ಥಿಕತೆಯ ಮಹತ್ವಾಕಾಂಕ್ಷೆಯ ಗುರಿ ಬಿತ್ತಿರುವುದು ಮಹತ್ವದ ಸಂಗತಿ. ಪ್ರತಿ ಹೊಸ ಉದ್ಯೋಗ ಸೃಷ್ಟಿಗೆ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಧನದಂತಹ ವಿನೂತನ ಯೋಜನೆಗಳು ಯುವಜನತೆಯ ಬದುಕಿಗೆ ಭದ್ರತೆ ಒದಗಿಸುವ ಸಂಕಲ್ಪ ತೊಟ್ಟಂತೆ ಕಾಣಿಸಿದೆ. ಶಾಲಾ ಹಂತದಿಂದಲೇ 'ಎಐ ಅಭಿಯಾನ' ಮತ್ತು ದೇಶದ ಮೊದಲ ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರಾಯೋಜಿತ ಎಐ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದ ಘೋಷಣೆ ಜಾಗತಿಕ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ನಾಯಕರ ಸಾಲಿನಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕವನ್ನು ಮುಂಚೂಣಿಯಲ್ಲಿ ನಿಲ್ಲಿಸುವ ಆಶಯ ಗಮನ ಸೆಳೆದಿವೆ.

ಕಾವೇರಿ ಮತ್ತು ತುಂಗಭದ್ರಾ ನದಿ ನೀರಿನ ಹಂಚಿಕೆ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ನೆರೆಯ ರಾಜ್ಯಗಳ ಸಿಎಂಗಳೊಂದಿಗೆ ಒಮ್ಮತದ ತೀರ್ಮಾನ ಕೈಗೊಂಡು, ಒಕ್ಕೂಟ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯಲ್ಲಿ ರಾಜ್ಯದ ಹಿತಾಸಕ್ತಿಯನ್ನು ರಾಜಿಯಿಲ್ಲದೆ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವ ರಾಜತಾಂತ್ರಿಕ ಪ್ರೌಢಿಮೆ ಪ್ರದರ್ಶಿಸಲಾಗಿದೆ. ಕೇಂದ್ರದೊಂದಿಗೆ ಸೌಹಾರ್ದಯುತ ಬಾಂಧವ್ಯ ಇಟ್ಟುಕೊಳ್ಳುತ್ತಲೇ, ರಾಜ್ಯಕ್ಕೆ ಬರಬೇಕಾದ ನ್ಯಾಯಯುತ ಅನುದಾನ ಮತ್ತು ತೆರಿಗೆ ಪಾಲಿನ ವಿಚಾರದಲ್ಲಿ ದಕ್ಷಿಣ ಮಂಡಳಿ ಹಾಗೂ ನೀತಿ ಆಯೋಗದ ವೇದಿಕೆಗಳಲ್ಲಿ ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ದನಿ ಎತ್ತಲಾಗಿದೆ. ಹಾಗೆಯೇ, 'ಟೀಮ್ ಕರ್ನಾಟಕ'ದ ಸಮಗ್ರ ಮಂತ್ರದೊಂದಿಗೆ ವಿಪಕ್ಷಗಳನ್ನೂ ವಿಶ್ವಾಸಕ್ಕೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಸಾಗುತ್ತಿರುವ ಈ ನಾಯಕತ್ವವು ನವಚೈತನ್ಯ ತುಂಬುವ ಪ್ರಯತ್ನ ಕಾಣಿಸಿದೆ.

ದೃಢ ಕರ್ನಾಟಕ ಸಂಕಲ್ಪ

ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ...

ಉಪಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿ ಡಾ. ಜಿ. ಪರಮೇಶ್ವರ್ ಸೇರಿ ಸಚಿವ ಸಂಪುಟದ ಎಲ್ಲ ಸಚಿವರು, ಶಾಸಕರು ಮತ್ತು ರಾಜ್ಯಸಭಾ ಸದಸ್ಯರು, ಲೋಕಸಭಾ ಸದಸ್ಯರು ಹಾಗೂ ವಿಧಾನಪರಿಷತ್ತಿನ ಸದಸ್ಯರು, ಹಿರಿಯ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಭಾಗವಹಿಸಲಿದ್ದಾರೆ. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಕೃಷಿಕರು, ಆಟೋ ಚಾಲಕರು, ಹಮಾಲಿಗಳು, ಗಿಗ್ ಕಾರ್ಮಿಕರು, ಬೀದಿಬದಿ ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳು, ಆಶಾ ಕಾರ್ಯಕರ್ತೆಯರು, ಅಂಗನವಾಡಿ ಕಾರ್ಯಕರ್ತೆಯರು, ಮತ್ತು ಪೌರಕಾರ್ಮಿಕರು ಭಾಗವಹಿಸಲಿದ್ದು, ರಾಜ್ಯ ಸರ್ಕಾರದ ಜನಪರ ಯೋಜನೆಗಳು ಜನರ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ತಂದಿರುವ ಬದಲಾವಣೆಗಳು ಮತ್ತು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯ ಮುಂದಿನ ಹಾದಿಯ ಕುರಿತು ಚರ್ಚೆ ನಡೆಯಲಿದೆ. ಖುದ್ದು ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿ ಶಿವಕುಮಾರ್ ಸಂವಾದ ನಡೆಸಲಿದ್ದಾರೆ.

ಬಿಜೆಪಿಗೆ ಶಕ್ತಿ ತುಂಬಿದ ಬಳ್ಳಾರಿ ಪಾದಯಾತ್ರೆ

ಮೊದಲನೇ ಪುಟದಿಂದ...

ವಾಲ್ಮೀಕಿ ಸಮುದಾಯಕ್ಕೆ ಅನ್ಯಾಯವಾಗಿದೆ. ಸಮುದಾಯಕ್ಕೆ ಸೇರಿದ ಅನುದಾನ ದುರ್ಬಳಕೆಯಾಗಿದೆ ಎಂದು ಆ ಸಮಾಜದ ಮತ ಸೆಳೆಯಲು ಅವಕಾಶ ತೆರೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದಂತೆ ಬಿಜೆಪಿ ಮೊದಲಿಗೆ ಅಧಿವೇಶನದಲ್ಲಿ ಹೋರಾಟ ನಡೆಸಿ ಯಶಸ್ವಿಯಾಗುತ್ತಿದ್ದಂತೆ ಲಿಂಗಸುಗೂರಿನಿಂದ ಬಳ್ಳಾರಿವರೆಗೆ ಪಾದಯಾತ್ರೆ ಘೋಷಿಸಿತು. ನಾಗೇಂದ್ರ ರಾಜೀನಾಮೆ ಕೊಟ್ಟರೂ ಪಾದಯಾತ್ರೆ ಏಕೆ ಎಂದು ಬಿಜೆಪಿಯಲ್ಲೇ ಅಪಸ್ವರ ಕೇಳಿಬಂದಿತು. ಶಿವಗಿರಿಯ ವಿಜಯೇಂದ್ರ ಪಾದಯಾತ್ರೆಗೆ ಚಾಲನೆ ನೀಡಿದ್ದು ಪಕ್ಷಕ್ಕೆ ಆನೆಬಲ ತಂದಿದೆ.

ಪಕ್ಷದ ಘಟಾನುಘಟಿ ನಾಯಕರೆಲ್ಲರೂ ಬಳ್ಳಾರಿ ಜಿಲ್ಲೆಯ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯಲ್ಲಿ ಪಾದಯಾತ್ರೆಗೆ ಸೇರಿ ಹೆಜ್ಜೆ ಹಾಕಿ ಒಗ್ಗಟ್ಟು ಪ್ರದರ್ಶಿಸಿದರು. ಎಸ್ಟಿ ಮೀಸಲು ಕ್ಷೇತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ವಾಲ್ಮೀಕಿ ಸಮುದಾಯದವರಲ್ಲಿ ಜಾಗೃತಿ ಮೂಡಿಸುವ ಪ್ರಯತ್ನ ನಡೆಸಲಾಯಿತು.

ಶೋಷಿತ ವರ್ಗದ ಭೇಟಿ: ಪಾದಯಾತ್ರೆ ಉದ್ದಕ್ಕೂ ಶೋಷಿತ ವರ್ಗದ ಸಂಕಷ್ಟ ಆಲಿಸುವ ಕಾರ್ಯವನ್ನು ವಿಜಯೇಂದ್ರ ಮಾಡಿದರು. ಕುರಿಗಾಹಿಗಳು, ಹಗಲುವೇಷಧಾರರು, ದಲಿತರು, ಯುವ ಸಮೂಹ, ಸಂಘಟನೆಗಳಲ್ಲದೆ ಸಮಾಜದ ಶೋಷಿತ ವರ್ಗಗಳ ಜನರೊಂದಿಗೆ ಬೆರೆತು ಆತ್ಮಸ್ಥೈರ್ಯ ತುಂಬಿದರು. ಬಿಜೆಪಿ ಸರ್ಕಾರ ಅಧಿಕಾರಕ್ಕೆ ಬಂದರೆ ಮೀಸಲಾತಿ ಹೆಚ್ಚಿಸಿ ಉದ್ಯೋಗ ಭರವಸೆ ಜತೆಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಶಕ್ತಿ ತುಂಬುವ ಅಭಯ ನೀಡಿದರು.

ಅನರ್ಹರ ಹೊರಗಿಡುವ ಎಸ್‌ಐಆರ್

ದೇಶದ ಪೌರತ್ವ ಇರುವವರಿಗೆ ಮತದಾನದ ಹಕ್ಕು | ಮಹೇಶ್ವರ ರಾವ್ ಹೇಳಿಕೆ

■ ವಿಜಯವಾಣಿ ಸುದ್ದಿಜಾಲ ಬೆಂಗಳೂರು

ಹೊರದೇಶಗಳಿಂದ ಬಂದು ನೆಲೆಸಿರುವ ಅನರ್ಹ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳನ್ನು ಮತದಾರರ ಪಟ್ಟಿಯಿಂದ ಹೊರಗಿಡಲು ಮತದಾರರ ಪಟ್ಟಿ ವಿಶೇಷ ತೀವ್ರ ಪರಿಷ್ಕರಣೆ (ಎಸ್‌ಐಆರ್) ಪ್ರಕ್ರಿಯೆ ನೆರವಾಗಲಿದೆ. ಆದರೆ ಭಾರತೀಯ ಪೌರತ್ವ ಹೊಂದಿರುವ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರಿಗೂ ಮತದಾನದ ಹಕ್ಕು ಕಲ್ಪಿಸುವುದು ಆಯೋಗದ ಉದ್ದೇಶ ಎಂದು ಜಿಬಿಎ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತ ಹಾಗೂ ಜಿಲ್ಲಾ ಚುನಾವಣಾಧಿಕಾರಿ ಎಂ. ಮಹೇಶ್ವರ ರಾವ್ ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ.

ಎಸ್‌ಐಆರ್ ಸಂಬಂಧ ರಾಜಕೀಯ ಪಕ್ಷಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಹಾಗೂ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೊಂದಿಗೆ ಬುಧವಾರ ಜಿಬಿಎ ಕೇಂದ್ರ ಕಚೇರಿಯಲ್ಲಿ ಏರ್ಪಡಿಸಿದ್ದ ಸಭೆಯ ಬಳಿಕ ಸುದ್ದಿಗಾರರೊಂದಿಗೆ ಮಾತನಾಡಿದರು.

ಮತದಾರರ ಪಟ್ಟಿ ಪರಿಷ್ಕರಣೆಯಲ್ಲಿ ಕಂಡುಬಂದ ವ್ಯತ್ಯಾಸಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ ಈಗಾಗಲೇ 26 ಲಕ್ಷ ಜನರಿಗೆ ನೋಟಿಸ್ ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಇವುಗಳ ಇತ್ಯರ್ಥಕ್ಕಾಗಿ 76 ಎಇಆರ್‌ಒಗಳು ಹಾಗೂ 1,200 ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಎಇಆರ್‌ಒಗಳು ಸೇರಿ ಒಟ್ಟು 1,300 ಗ್ರೂಪ್ 'ಎ' ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ನಿಯೋಜಿಸಲಾಗಿದೆ. ಪ್ರತಿದಿನ ಬೆಳಗ್ಗೆ 10ರಿಂದ ಸಂಜೆ 5 ರವರೆಗೆ ಕಚೇರಿಗಳಲ್ಲಿ ಬ್ಯಾಚ್‌ಗಳ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ದಾಖಲೆಗಳ ಪರಿಶೀಲನೆ ಮತ್ತು ವಿಚಾರಣೆ ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಸುಮಾರು 6 ರಿಂದ 6.5 ಲಕ್ಷ ಪ್ರಕರಣಗಳಲ್ಲಿ ಪಾಲಕರು ಮತ್ತು ಮಕ್ಕಳ ವಯಸ್ಸಿನ ವ್ಯತ್ಯಾಸ, ಹೆಸರಿನ ಅಕ್ಷರ ದೋಷ ಹಾಗೂ ನಮೂನೆಗಳಲ್ಲಿನ ತಾಂತ್ರಿಕ ಅಸಮಾನತೆಗಳು ಕಂಡುಬಂದಿವೆ. ಹನುಮಂತನಗರದ ಗಾಳಿ ಆಂಜನೇಯ ಸ್ವಾಮಿ ದೇವಾಲಯದ ವಾರ್ಡ್‌ನಲ್ಲಿ 700 ಮತದಾರರನ್ನು 'ಸ್ಥಳಾಂತರಗೊಂಡವರು' ಎಂದು ಗುರುತಿಸಿರುವ ಬಗ್ಗೆ ಸ್ಪಷ್ಟನೆ ನೀಡಿದ ಮಹೇಶ್ವರ ರಾವ್, ರಾಜಕೀಯ ಪಕ್ಷಗಳ ಏಜೆಂಟರ ಸಮ್ಮುಖದಲ್ಲಿ ಪಂಚನಾಮೆ ಮತ್ತು ಪರಿಶೀಲನೆ ನಡೆಸಿಯೇ ಈ ಪಟ್ಟಿ ಪ್ರಕಟಿಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದರು.

ಬೂತ್ ಮಟ್ಟದ ಸಮಸ್ಯೆಗಳನ್ನು ಪರಿಹರಿಸಲು ಎಡಿಒಗಳು ವಿಶೇಷ ಗಮನ ಹರಿಸುವಂತೆ ಸೂಚನೆ ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಮನೆಯಿಂದ ಹೊರಬರಲಾಗದ ಹಿರಿಯ ನಾಗರಿಕರು, ಗಂಭೀರ ಅನಾರೋಗ್ಯಪೀಡಿತರು, ಗಾಲಿಕುರ್ಚಿ ಅವಲಂಬಿತರು ವಿಚಾರಣೆಗೆ ಕಚೇರಿಗೆ ಬರುವುದು ಕಡ್ಡಾಯವಲ್ಲ. ಅವರ ಪರವಾಗಿ ಕುಟುಂಬ ಸದಸ್ಯರು ಅಥವಾ ಬಿಎಲ್‌ಎ ಅಥವಾ ಬಿಎಲ್‌ಒಗಳ ಮೂಲಕ ಮಾಹಿತಿ ನೀಡಬಹುದು. ಇಲ್ಲವೇ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೇ ಮನೆಗೆ ಭೇಟಿ ನೀಡಿ ಪರಿಶೀಲನೆ ನಡೆಸಲಿದ್ದಾರೆ ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಜಿಬಿಎ ಕೇಂದ್ರ ಕಚೇರಿಯಲ್ಲಿ ಬುಧವಾರ ಎಸ್‌ಐಆರ್ ಕುರಿತು ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿದ್ದ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಜಿಬಿಎ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತ ಎಂ. ಮಹೇಶ್ವರ ರಾವ್ ಮಾತನಾಡಿದರು. ಬೆಂ. ದಕ್ಷಿಣ ಪಾಲಿಕೆ ಆಯುಕ್ತ ಕೆ.ಎನ್. ರಮೇಶ್, ವಿಶೇಷ ಆಯುಕ್ತೆ ಸುಷಮಾ ಗೋಡಬೋಲೆ ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು.

ಮುಖ್ಯಾಂಶಗಳು

- ■ ಸೆ. 19 ಮತ್ತು 20 ರಂದು ಮತಗಟ್ಟೆಗಳು, ವಾರ್ಡ್ ಹಾಗೂ ತಾಲೂಕು ಕಚೇರಿಗಳಲ್ಲಿ ವಿಶೇಷ ಕ್ಯಾಂಪ್ ಆಯೋಜನೆ.
- ■ ಬೂತ್ ಮಟ್ಟದ ಸಮಸ್ಯೆಗಳನ್ನು ಶೀಘ್ರದಲ್ಲೇ ಸಹಾಯವಾಣಿ ನೀಡುವ ಮೂಲಕ ಸ್ಪಂದಿಸಲಾಗುವುದು.
- ■ ಆಯೋಗ ಸೂಚಿಸಿರುವ 11 ದಾಖಲೆಗಳನ್ನು ಪರಿಶೀಲಿಸಲಾಗುವುದು.

ಸಿ.ಎನ್.ಆರ್. ರಾವ್‌ಗೆ ನೋಟಿಸ್ ನೀಡಿಲ್ಲ

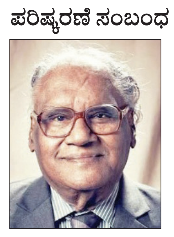

'ಭಾರತ ರತ್ನ' ಪುರಸ್ಕೃತ ಹಿರಿಯ ವಿಜ್ಞಾನಿ ಪ್ರೊ. ಸಿ.ಎನ್.ಆರ್. ರಾವ್ ಅವರಿಗೆ ಮತದಾರರ ಪಟ್ಟಿಯ ವಿಶೇಷ ಸಮಗ್ರ ಪರಿಷ್ಕರಣೆ ಸಂಬಂಧ ಯಾವುದೇ ನೋಟಿಸ್ ಜಾರಿ ಮಾಡಿಲ್ಲ ಎಂದು ಮಹೇಶ್ವರ ರಾವ್ ಸ್ಪಷ್ಟಪಡಿಸಿದರು. ಮತದಾರರ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿನ ಹೆಸರಿನ ವ್ಯತ್ಯಾಸದ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ರಾವ್ ಹಾಗೂ ಕುಟುಂಬ ಸದಸ್ಯರ ಮನೆಗೆ ತೆರಳಿ ಗಣತಿ ನಮೂನೆಗಳನ್ನು ನೀಡಿ, ಅಗತ್ಯ ಮಾಹಿತಿ ಭರ್ತಿ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. 2002ರ ಮತದಾರರ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ 'ರಾಮ' ಎಂಬ ಹೆಸರಿದ್ದರೆ, ಪ್ರಸ್ತುತ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಪ್ರೊ. ಸಿ.ಎನ್. ರಾವ್ ಎಂ. ಎಂದು ನೋಂದಣಿಯಾಗಿತ್ತು. ಹೆಸರಿನ ವ್ಯತ್ಯಾಸ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಬಿಎಲ್‌ಒ ಯಾವುದೇ ನೋಟಿಸ್ ನೀಡದೆ, ಅಂತಿಮ ಮತದಾರರ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಹೆಸರು ಸೇರ್ಪಡೆಗೆ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ. ಅದರಂತೆ ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದ್ದಾರೆ. ನಟ ಶಿವರಾಜ್ ಕುಮಾರ್ ಪ್ರಕರಣವನ್ನು ಬಗೆಹರಿಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಸ್ಪಷ್ಟನೆ ನೀಡಿದರು.

ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು-ವಿಜ್ಞಾನಿ ಸಂವಾದ

ಬೆಂಗಳೂರು: ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ವಿಜ್ಞಾನವನ್ನು ಪಠ್ಯ ಪುಸ್ತಕದ ಆಚೆಗೆ ಅನುಭವಾತ್ಮಕವಾಗಿ ಪರಿಚಯಿಸಲು ಕರ್ನಾಟಕದ ವಿವಿಧ ವಿಜ್ಞಾನ ಕೇಂದ್ರಗಳಲ್ಲಿ ಇಸ್ರೋ ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳು ಮತ್ತು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ನಡುವೆ ಸಂವಾದ ಆಯೋಜಿಸಲು ಸಹಕಾರ ನೀಡುವಂತೆ ಇಸ್ರೋ ಅಧ್ಯಕ್ಷ ಡಾ. ವಿ.ನಾರಾಯಣನ್ ಅವರಿಗೆ ವಿಜ್ಞಾನ ಮತ್ತು ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ಸಚಿವ ಅಜಯ್ ಧರಂಸಿಂಗ್ ಮನವಿ ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ. ಬಾಹ್ಯಾಕಾಶ ವಿಜ್ಞಾನ, ಸಂಶೋಧನೆ, ಉಪಗ್ರಹ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ಮತ್ತು ವಿಜ್ಞಾನ ವೃತ್ತಿಜೀವನದ ಬಗ್ಗೆ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ನೇರವಾಗಿ ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳಿಂದ ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ರೂಪಿಸಬೇಕು ಎಂದು ಕೋರಿದ್ದಾರೆ. ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳೊಂದಿಗೆ ನೇರವಾಗಿ ಸಂವಾದ ನಡೆಸಿದಾಗ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ವಿಜ್ಞಾನ ಪಾಠ ವಿಷಯವಾಗಿರದೆ, ಭವಿಷ್ಯದ ಅವಕಾಶವಾಗಿ ಕಾಣಲು ಆರಂಭಿಸುತ್ತದೆ. ದೊಡ್ಡ ಕನಸುಗಳನ್ನು ಹುಟ್ಟುಹಾಕಬಲ್ಲವು ಎಂದು ಅಭಿಪ್ರಾಯಪಟ್ಟಿದ್ದಾರೆ.

■ ಸಹಕಾರ ನೀಡಲು ಇಸ್ರೋಗೆ ಮನವಿ

ಬರಲಿದೆ ಸಹಾಯ 3.0

ಬೆಂಗಳೂರು: ಜಿಬಿಎ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯಲ್ಲಿ ಸಾರ್ವಜನಿಕರ ದೂರುಗಳ ಪರಿಹಾರ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನು ಮತ್ತಷ್ಟು ಜನಸ್ನೇಹಿಗೊಳಿಸುವ ಉದ್ದೇಶದಿಂದ 'ಸಹಾಯ 3.0' ತಂತ್ರಾಂಶವನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಲಾಗುತ್ತಿದೆ ಎಂದು ಗ್ರೇಟರ್ ಬೆಂಗಳೂರು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಚಿವ ಕೃಷ್ಣಬೈರೇಗೌಡ ತಿಳಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ರಸ್ತೆ ಮೂಲಸೌಕರ್ಯ ನಿರ್ವಹಣಾ ವ್ಯವಸ್ಥೆ (ಆರ್‌ಐಎಂಎಸ್) ಕುರಿತು ಬುಧವಾರ ಜಿಬಿಎ ಕಚೇರಿಯ ನೌಕರರ ಭವನದಲ್ಲಿ ನಾಗರಿಕರೊಂದಿಗೆ ನಡೆದ ಸಮಾಲೋಚನಾ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಿದರು. ಹಾಲಿ ಚಾಲ್ತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಸಹಾಯ 2.0 ತಂತ್ರಾಂಶದಲ್ಲಿ ಈಗಾಗಲೇ ಕೆಲವು ಬದಲಾವಣೆ ತರಲಾಗಿದೆ. ಇದನ್ನೀಗ ಮೇಲ್ದರ್ಜೆಗೇರಿಸುತ್ತಿದ್ದು, ನಾಗರಿಕರ ಸಲಹೆಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡು 'ಸಹಾಯ 3.0' ಶೀಘ್ರದಲ್ಲೇ ಅನುಷ್ಠಾನಕ್ಕೆ ತರಲಾಗುವುದು ಎಂದರು.

■ ಜನಸ್ನೇಹಿ ಉದ್ದೇಶದಿಂದ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ

ಕಾಮಗಾರಿಗಳ ಪೋರ್ಟಲ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ: ಸರ್ಕಾರದ ವಿವಿಧ ಇಲಾಖೆಗಳ ಮಧ್ಯೆ ಸಮನ್ವಯವನ್ನು ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾಗಿ ಕೈಗೊಳ್ಳಲು ಸಮಗ್ರ ಪೋರ್ಟಲ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಲಾಗುತ್ತಿದೆ. ಸದ್ಯ ಆರ್‌ಐಎಂಎಸ್ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ದತ್ತಾಂಶ ಸ್ವೀಕರಿಸಲಾಗುತ್ತಿದ್ದು, ಶೀಘ್ರದಲ್ಲೇ ಈ ಪೋರ್ಟಲ್‌ಗೆ ಸೂಕ್ತ ಹೆಸರನ್ನು ಇಡಲಾಗುವುದು. ರಸ್ತೆ ನಿರ್ಮಾಣ, ವಿದ್ಯುತ್ ಕೇಬಲ್ ಅಳವಡಿಕೆ ಸೇರಿ ಇತರ ಕಾಮಗಾರಿ ಕೈಗೊಳ್ಳುವ ಮುನ್ನ ವಿವಿಧ ಇಲಾಖೆಗಳ ನಡುವೆ ಸಮನ್ವಯ ಸಾಧಿಸಲು ಈ ಪೋರ್ಟಲ್ ಸಹಕಾರಿಯಾಗಬೇಕು. ಯಾವುದೇ ರಸ್ತೆ ಅಥವಾ ಮೂಲಸೌಕರ್ಯ ಕಾಮಗಾರಿ ಆರಂಭವಾಗುವ 6 ತಿಂಗಳ ಮುನ್ನವೇ ಪೋರ್ಟಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಮಾಹಿತಿ ದಾಖಲಿಸುವಂತಿರಬೇಕು. ಇದರಿಂದ ಸಾರ್ವಜನಿಕರು ತಮ್ಮ ವೈಯಕ್ತಿಕ ಯೋಜನೆ ರೂಪಿಸಿಕೊಳ್ಳಲು ಅನುಕೂಲವಾಗಲಿದೆ ಎಂದರು.

ಜಿಬಿಎ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತ ಮಹೇಶ್ವರ ರಾವ್, ಪಾಲಿಕೆಗಳ ಆಯುಕ್ತರಾದ ಡಿ.ಎಸ್. ರಮೇಶ್, ಜಿ. ಜಗದೀಶ್, ಕೆ.ಎನ್. ರಮೇಶ್, ಡಾ. ರಾಜೇಂದ್ರ ಇತರರಿದ್ದರು.

> ಆರ್‌ಐಎಂಎಸ್‌ನಲ್ಲಿ 2022-23ನೇ ಸಾಲಿನಿಂದ 2026-27ನೇ ಸಾಲಿನವರೆಗೆ ರಸ್ತೆ ಕಾಮಗಾರಿಗಳ ಮಾಹಿತಿ ಲಭ್ಯವಿದೆ. 2,000ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಕಿ.ಮೀ. ರಸ್ತೆ ಕಾಮಗಾರಿಗಳ ಮಾಹಿತಿ ಹಾಗೂ ವಿವಿಧ ಅನುದಾನ ಮೂಲದಿಂದ ಒದಗಿಸಲಾದ 9,151 ಕೋಟಿ ರೂ. ಅನುದಾನದ ಮಾಹಿತಿಯೂ ಸಿಗುತ್ತದೆ.
>
> | ಕೃಷ್ಣಬೈರೇಗೌಡ ಗ್ರೇಟರ್ ಬೆಂಗಳೂರು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಚಿವ

ಗದ್ದೆಗೆ ಬಸ್ ಉರುಳಿ 15 ಪ್ರಯಾಣಿಕರಿಗೆ ಗಾಯ

ಕೆ.ಆರ್.ನಗರ: ಆಕ್ಸೆಲ್ ತುಂಡಾದ ಪರಿಣಾಮ ಕೆಎಸ್‌ಆರ್‌ಟಿಸಿ ಬಸ್ ಚಾಲಕನ ನಿಯಂತ್ರಣ ತಪ್ಪಿ ರಸ್ತೆಬದಿಯ ಗದ್ದೆಗೆ ಉರುಳಿ 15ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಪ್ರಯಾಣಿಕರು ಗಾಯಗೊಂಡಿರುವುದು ಬಿದಿರುಕಟ್ಟೆ ಹಳ್ಳದ ಬಳಿ ಬುಧವಾರ ಸಂಭವಿಸಿದೆ.

ಅವಧಿ ಮೀರಿದ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥ

ಬೆಂಗಳೂರು: ಆಹಾರ ಸುರಕ್ಷತೆ ಇಲಾಖೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಹೋಟೆಲ್‌ಗಳ ಮೇಲಿನ ದಾಳಿ ಮುಂದುವರಿಸಿದ್ದು, ಬುಧವಾರ ರೇಸ್‌ಕೋರ್ಸ್ ರಸ್ತೆಯ ಸೌತ್ ರುಚಿ ಹೋಟೆಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಪರಿಶೀಲನೆ ನಡೆಸಿದರು. ಈ ವೇಳೆ ನೈರ್ಮಲ್ಯದ ಕೊರತೆ ಕಂಡುಬಂದಿದ್ದು, ಅವಧಿ ಮೀರಿದ ಹಾಗೂ ತಪ್ಪು ಲೇಬಲ್‌ಗಳಿಂದ ಕೂಡಿದ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಪತ್ತೆಯಾಗಿವೆ.

ಅವಧಿ ಮೀರಿದ ಕೋಕೋನಟ್ ಪೌಡರ್ 1 ಕೆ.ಜಿ., ಸೌತ್ ರುಚಿ ಚಟ್ನಿ ಪುಡಿ 800 ಗ್ರಾಂ., ರಸಂ ಪುಡಿ 200 ಗ್ರಾಂ, ಮಶ್ರೂಮ್ 1 ಪ್ಯಾಕ್ ಹಾಗೂ ತಪ್ಪು ಲೇಬಲ್ ಹೊಂದಿದ್ದ ಬೆಲ್ಲದ ಪುಡಿ 5 ಕೆ.ಜಿ., ಮಿಲೆಟ್ 45 ಕೆ.ಜಿ., ಅಜ್ವಾನ್ 2 ಕೆ.ಜಿ. ಮತ್ತು 121 ಕೆ.ಜಿ. ಬಕೆಟ್ ಬೆಲ್ಲವನ್ನು ವಶಪಡಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಅಲ್ಲದೆ ಆಹಾರ ಸಂಗ್ರಹಣೆ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಅಡುಗೆ ತಯಾರಿಕೆ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಜಿರಳೆ ಸೇರಿ ಕೀಟಗಳು ಕಂಡುಬಂದಿದ್ದು, ಹೋಟೆಲ್‌ನ ಬಾಗಿಲು ಮುಚ್ಚುವಂತೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ನಿರ್ದೇಶನ ನೀಡಿದ್ದಾರೆ.

■ ಸೌತ್ ರುಚಿ ಹೋಟೆಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಪರಿಶೀಲನೆ

ಆಹಾರ ಸುರಕ್ಷತೆ ಮತ್ತು ಗುಣಮಟ್ಟಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ನಿಯಮ ಉಲ್ಲಂಘಿಸುವ ಆಹಾರ ಉದ್ದಿಮೆಗಳ ವಿರುದ್ಧ ಆಹಾರ ಸುರಕ್ಷತೆ ಮತ್ತು ಗುಣಮಟ್ಟ ಕಾಯ್ದೆ 2006 ಹಾಗೂ ನಿಯಮಗಳು 2011ರ ಅನ್ವಯ ಸೂಕ್ತ ಕಾನೂನು ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಇಲಾಖೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ತಿಳಿಸಿದ್ದಾರೆ.